प्रोग्रेसिव एज़्युकेशन सोसायटी का
मॉडर्न कला, विज्ञान और वाणिज्य महाविद्यालय (स्वायत्त)
पुणे-४११००५, महाराष्ट्र

हिंदी विभाग

द्वारा प्रकाशित

"अरुणिमा"

(मासिक पत्रिका)

अक्टूबर: २०२०

प्रकाशक:
प्रा. शामकांत देशमुख,
डॉ. राजेंद्र झुंजाराराव
संपादक: डॉ. प्रेरणा उबाळे
सहायक: अनिसा शेख़

1. कविता : गड्ढा

आफशा मशायक,
प्रथम वर्ष हिंदी , कला

मेरी राह में एक गड्ढा
आया.....
सुना था, समझदार लोग कहा
करते थे
और
धैर्यवान, बलवान लोग सुन लिया
करते हैं।
वह बात कुछ ऐसी थीं..,
जिसे हर कोई किया करता था।
" कहते थे -- राह में कोई गड्ढा
आया, तो..,
उस गड्ढे के उपर से छलांग
लगाकर उस पार चले जाओ।
मंजिल के पास जाने का उसे पाने
का रास्ता मिलेगा। मंजिल खुद्द
चलके आएँगी। "
जैसे मैने बताया...!
एक दिन गड्ढा मेरे सामने आया,
मै भी छलांग लगाने ही वाली थी ,
कि न जाने.....,
कैसे पर एक अजिबीयत मन-ए-
जेहेन में उठी.....
ना चाहते हूए भी छलांग-ए- मंजिल
रास्ते से बेखबर चाहत खुद में बदल
गई।
अंदर अंधेरा काफी घना था,
तनहाइयों से तनतना था,
अभी तक तो उजाले की लपेटी
चादर थी।
खुद का नूर कहीं टोपी में गुम हुआ
था,
काले खौफनाक अंधेरे मे टोपी कहीं
लापता-सी हो गई..., चादर भी
टोपी को ढूंढ़ने गूमशुदा रो दी..।
अब तक उजालों का सिलसिला-
ए- कशिश देखा था,
अंधेरे ने खुदा-ए-चाहत बना दिया।
गड्ढे में गिरने के बाद पता
चला .....
उस गड्ढे का कोई अंत न था,
ना ही उसकी कोई गहराई थी, ना
ही कोई मैं उसकी अपनी या पराई
थी।
बस वह लेजाए जा रहा था।
उस खौफनाक अंधेरे मे कुछ-ना-कुछ
दिए जा रहा था।
"जेहन नाफरमानी करते हुए कूदा
था...,
दिल मेहमानगी कबूल किए जा रहा
था। "
हर वो चीज जो मुझमे मुझे फसाए
थी ,
हर वो कोशिश जो वक्त को समेटे
रहने , उसे गले लगाए थी।
"उस वक्त दिल सच में
धडकन से मिला था,
वो आखरी पेहेर की फर्माईश थी।
"
आखिर इन सबके बाद गड्ढे ने
दुनिया खूब दिखाई थी।
"जब जमीन पर पड़ा कदम-ए-
अश्क मेरा,
तब मंजिल मुझे गले लगाए थी। "
यहीं शायद खुदा की आजमाईश
थी।
यहीं शायद खुदा की आजमाईश
थी।

2. कविता : साया

दिनकर चौगुले,
एम. ए. हिंदी साहित्य, द्वितीय वर्ष

साया. ..

मेरे साथ चलता है
रूकता है मेरे साथ
मेरा साया...
मेरा हमसफर
मेरा दोस्त है।

पैरवी करता है मेरी
पर दिलमें रहता है
मेरे अंतर्मन की
हर बात बयान करता है ।
मेरे मन के रंग
और तरंग है
मेरा साया...
मेरा हमसफर
मेरा दोस्त है ।

स्वीकार्य हूँ मैं उसको
मैं जैसा हूँ वैसा
मेरे जीने के
भाव भुने तरीके के साथ...
वो होता है आईना मेरा...
कहीं भी. .. कभी भी
पहचानता है वो मुझको
और मैं उसको....
मेरा साया...
मेरा हमसफर
मेरा दोस्त ... है ।

खोज करता है खुद की... मुझमें
और मैं ढूंढता हूँ मुझको... उसमें
हमेशा..
कभी पूछा मैंने उसको
तो कहता है मेरे सामने
मेरी ही कविता
मेरा साया...
मेरा हमसफर
मेरा दोस्त ... है।

दी है उसने मुझे
मनमानी करने की
पूरी छूट..
मेरे चाल -चलन से
नहीं होता कभी विचलित
मानो कि ... ऐसे ही होगा
उसको... पहले से पता है...
मेरा साया...
मेरा हमसफर
मेरा दोस्त ... है ।

पर मुझे सुनता है
मैंने न कही बातों को समझता है
महसूस करता है वो
अपना अस्तित्व मुझमें..
वो है ..
तो ही मैं हूँ...
मेरा साया...
मेरा हमसफर
मेरा दोस्त ... है ।

3. कविता : खुशी के रहस्य

शमीम खान
एम. ए. हिंदी साहित्य, द्वितीय वर्ष

वे हमारे दिमाग पढ़ते हैं
अपने -अपने आईने में
आसान भाषा मे बताते हैं
खुशी के रहस्य।

स्त्रियाँ पेश करती हैं
सपनों की एक टोकरी
जिसके सभी फल हमेशा से
मीठे होते हैं
उनमें से उठाया जा सकता
है, कोई एक
निचोडा जा सकता है हृदय की
तरह।।

मनुष्य उन्हीं विचारों पर
चलता है।
जो बना दिये गए हैं मनपसंद
तुम भी खाने लगते हो सबकी
पसंद का खाना
पहनते हो कपड़े दूसरे के रुचि
के
बाहर आता है किसी दूसरे का
चेहरा
घरो में किसी और को बेचे जाने
की चीजें सजती हैं
किसी और के सामने आते हैं नींद में

तुम भूल चुके होते हो अपनी आग
जंगल का वह हिस्सा
जहाँ पहली हवा गुजरी थी
सांसो का बहना शुरू हुआ था
फूलों की एक घाटी में
छूट गए थे रंग।

अश्विनी बाभाडे
द्वितीय वर्ष कला, सामान्य हिंदी

•अक्टूबर की महत्वपूर्ण घटनाएं

•1917: बोल्शेविक (कम्युनिस्ट) व्लादिमीर इलिच लेनिन ने क्रांति कर रूस की सत्ता पर कब्जा किया।
•1924: भारत में ब्रिटिश अधिकारियों ने सुभाषचंद्र बोस को गिरफ्तार कर 2 साल के लिए जेल भेज दिया।
•1945: द्वितीय विश्वयुद्ध के अंत में चीन ने ताइवान पर कब्जा किया।
•1951: भारत में पहले आम चुनाव की शुरूआत हुई।
•1962: अमेरिकी लेखक जॉन स्टीनबेक को साहित्य का नोबेल पुरस्कार दिया गया।
•1964: अवादी कारखाने में पहले स्वदेशी टैंक 'विजयंत' का निर्माण किया गया।
•1971: संयुक्त राष्ट्र महासभा में ताइवान को चीन में शामिल करने के लिए मतदान हुआ।
•1995: तत्कालीन प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव ने संयुक्त राष्ट्र के 50वें वर्षगांठ सत्र को संबोधित किया।
•2000: अंतरिक्ष यान डिस्कवरी (USA) 13 दिन के अभियान के बाद सकुशल वापस।
•2005: ईराक में नये संविधान को जनमत संग्रह में बहुमत के साथ मंजूरी मिली।
•2008: सिक्किम के पूर्व मुख्यमंत्री नर बहादुर भंडारी को छह माह की सज़ा सुनाई गई।

•अक्टूबर को जन्मे व्यक्ति
•1881: स्पेन के ख्यातिप्राप्त चित्रकार पाब्लो पिकासो का जन्म।
•1896: भारत के प्रसिद्ध साहित्यकार तथा लेखक मुकुंदी लाल श्रीवास्तव का जन्म।
•1912: कर्नाटक संगीत के गायक मदुराई मणि अय्यर का जन्म।
•1938: प्रसिद्ध लेखिका मृदुला गग का जन्म।

•अक्टूबर को हुए निधन
•1980: भारतीय गीतकार और कवि साहिर लुधियानवी का निधन।
•2003: प्रसिद्ध भारतीय दार्शनिक तथा समाज सुधारक पाण्डुरंग शास्त्री अठावले का निधन।
•2005: साहित्यकार निर्मल वर्मा का निधन।
•2012: प्रसिद्ध हास्य अभिनेता जसपाल भट्टी का निधन।